>

Title: Need to fill-up backlog vacancies in Banaras Hindu University and also ensure adherence to rules in filling up vacancies meant for reserved categories.

श्री बाल कुमार पटेल (मिर्ज़ापुर): भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों द्वारा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बी.एच.यू.) वाराणसी, उत्तर प्रदेश को बार-बार विश्वविद्यालय में रिक्त पदों के बैकलॉग को पूरा करने के निर्देश जारी करने के बावजूद कोई भी विशेष भर्ती अभियान नहीं चलाया गया। अन्य पिछड़े वर्ग के कुल 374 पदों में से 234 पद सामान्य वर्ग से भरे हुए हैं। बी.एच.यू. के अनुसार जब कभी भी ये पद खाली होंगे तभी अन्य पिछड़े वर्ग से भरे जाएंगे। गैर-शिक्षण पदों पर संविदा के तहत अस्थायी एवं स्थायी नियुक्तियाँ भी नियम विरूद्ध जारी है एवं भारत सरकार के आरक्षण नियमों की घोर अनदेखी है।

विजिटर की अनुमति लिए बिना ही बी.एच.यू. ने शैक्षणिक पदों के रोस्टर बदल कर बैकलॉग खत्म कर दिया है एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियत प्रावधानों की अनदेखी करते हुए स्वनिर्मित नियमों के आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया जारी कर दिया है। कुछ पद भर लिए गए हैं जिसको तत्काल रद्द करते हुए नियमानुसार नए सिरे से शुरू कराई जाए।

बी.एच.यू. में हो रहे आरक्षण नियमों की अनदेखी के संदर्भ में महामहिम राष्ट्रपति महोदय को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग द्वारा एक विशेष रिपोर्ट भी सौंपी गई है जिसकी सिफारिशें अविलंब लागू की जाए।

बी.एच.यू. के मुख्य परिसर वाराणसी एवं दक्षिणी परिसर बरकछा मीरजापुर में गैर-मान्यता प्राप्त कोर्स संचालित किए जा रहे हैं एवं मान्यता से अधिक सीटों पर प्रवेश लिया जा रहा है तथा अयोग्य अध्यापकों द्वारा शिक्षण कार्य कराया जा रहा है जिस पर छात्रहित में तत्काल रोक लगाई जाए।